IJNRD.ORG ISSN : 2456-4184
INTERNATIONAL JOURNAL OF NOVEL RESEARCH AND DEVELOPMENT (IJNRD) | IJNRD.ORG
An International Open Access, Peer-reviewed, Refereed Journal

उच्चतर माध्यमिक विद्यालय के विद्यार्थियों के समायोजन एवं शैक्षिक उपलब्धि के मध्य सह–सम्बन्धात्मक अध्ययन

लोकेश्वरी तिवारी
शोधार्थी
शिक्षा संकाय, कलिंगा विश्वविद्यालय
रायपुर, छत्तीसगढ़

डा. सरोज नैय्यर
सहायक प्राध्यापक
शिक्षा संकाय, कलिंगा विश्वविद्यालय
रायपुर, छत्तीसगढ़

सारांश

प्रस्तुत अध्ययन उच्चतर माध्यमिक विद्यालय के विद्यार्थियों के समायोजन एवं शैक्षिक उपलब्धि के मध्य सह–सम्बन्ध का अध्ययन है। इस अध्ययन हेतु छत्तीसगढ़ राज्य के रायपुर जिले के अंतर्गत संचालित उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों में अध्ययनरत 120 विद्यार्थियों (60 छात्र एवं 60 छात्राओं) को न्यादर्श के रूप में लिया गया है। विद्यार्थियों के समायोजन के मापन हेतु सिन्हा एवं सिंग द्वारा निर्मित समायोजन परीक्षण का प्रयोग किया गया तथा विद्यार्थियों के शैक्षिक उपलब्धि के मापन हेतु कक्षा 10वीं के वार्षिक परीक्षा परिणामों के प्रतिशत अंकों को लिया गया है। सांख्यिकी विश्लेषण हेतु सहसंबंध परीक्षण का प्रयोग किया गया है। अध्ययन के परिणाम में छात्रों एवं छात्राओं के समायोजन एवं शैक्षिक उपलब्धि के मध्य सार्थक सह–सम्बन्ध पाया गया है। परिणाम स्वरूप यह कहा जा सकता है कि जिन विद्यार्थियों का समयोजन बेहतर होता है वे विद्यार्थी शैक्षिक उपलब्धि के रूप में भी अधिक सफल होते हैं।

मुख्य शब्द – समायोजन, शैक्षिक उपलब्धि एवं विद्यार्थी

परिचय

शिक्षा किसी भी समाज के विकास का महत्वपूर्ण आधार होती है, और विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धियाँ उनके व्यक्तिगत, सामाजिक एवं व्यावसायिक जीवन को गहराई से प्रभावित करती हैं। एक विद्यार्थी के शैक्षिक प्रदर्शन को प्रभावित करने वाले कई कारक होते हैं, जिनमें उनकी बौद्धिक क्षमता, पारिवारिक पृष्ठभूमि, आर्थिक स्थिति, शिक्षकों का मार्गदर्शन, पाठ्यक्रम की जटिलता, तथा विद्यालयी वातावरण शामिल हैं। परंतु एक अत्यंत महत्वपूर्ण कारक जो विद्यार्थी की शैक्षिक सफलता को प्रभावित करता है, वह है उसका समायोजन। समायोजन का अर्थ व्यक्ति की उस क्षमता से है, जिसके द्वारा वह अपने परिवेश के विभिन्न

पहलुओं के साथ संतुलन स्थापित करता है, चाहे वह शारीरिक, मानसिक, सामाजिक या भावनात्मक स्तर पर हो।

विद्यार्थी जीवन में समायोजन का विशेष महत्व होता है क्योंकि यह व्यक्ति की मानसिक स्थिति, आत्मविश्वास, सामाजिक संबंधों, और संवेगात्मक स्थिरता को प्रभावित करता है। यदि कोई विद्यार्थी विद्यालयी परिवेश, शिक्षकों, सहपाठियों, परिवार तथा अपनी स्वयं की अपेक्षाओं के साथ समायोजन स्थापित नहीं कर पाता, तो इसका प्रभाव उसकी शैक्षिक उपलब्धियों पर पड़ सकता है। इसी प्रकार, यदि विद्यार्थी अपने परिवेश के साथ संतुलन बनाना सीख जाता है, तो वह अपनी पढ़ाई में अधिक ध्यान केंद्रित कर सकता है और श्रेष्ठ प्रदर्शन कर सकता है।

इस अध्ययन का उद्देश्य उच्चतर माध्यमिक विद्यालय के विद्यार्थियों के समायोजन एवं शैक्षिक उपलब्धि के बीच सह–संबंध का अध्ययन करना है। यह जानना आवश्यक है कि क्या उच्च समायोजन क्षमता रखने वाले विद्यार्थी बेहतर शैक्षिक उपलब्धियाँ प्राप्त करते हैं, या फिर जिन विद्यार्थियों को समायोजन में कठिनाइयाँ आती हैं, उनकी शैक्षिक उपलब्धियाँ अपेक्षाकृत कम होती हैं। यह शोध शिक्षा मनोविज्ञान, शिक्षाशास्त्र, एवं परामर्शदात्री प्रणाली के लिए अत्यंत उपयोगी सिद्ध हो सकता है, क्योंकि इससे यह स्पष्ट हो सकेगा कि विद्यार्थियों की शैक्षिक प्रगति को सुधारने के लिए किस प्रकार उनके समायोजन को बढ़ावा दिया जा सकता है।

संबंधित शोध अध्ययन

कर्नाटक एवं पाण्डे (2022) नें किशोरों के समायोजन का तुलनात्मक अध्ययन किया। अध्ययन परिणाम में किशोर एवं किशोरियों के समायोजन स्तर के मध्य 0.05 प्रतिशत विश्वास के स्तर पर सार्थक अन्तर पाया गया। परिणामों से स्पष्ट है कि स्नात्मक स्तर के किशोर एवं किशोरियों के समायोजन स्तर में सार्थक अंतर होता है।

पटेल एवं सिंह (2018) ने कार्यरत व अकार्यरत महिलाओं के माध्यमिक शाला में पढ़ने वाले विद्यार्थियों के शैक्षिक उपलब्धि व समायोजन के मध्य संबंध का अध्ययन किया। इस हेतु अरूणाचल प्रदेश के दूहानगर शहर से 187 विद्यार्थियों का चयन किया गया। आंकड़ो के संग्रह हेतु सिन्हा एवं सिंग द्वारा निर्मित समायोजन मापनी का प्रयोग एवं शैक्षिक उपलब्धि हेतु पूर्व कक्षा के अंको को लिया गया। आंकड़ो के विश्लेषण हेतु टी परीक्षण का प्रयोग किया गया। अध्ययन में यह पाया गया कि कार्यरत व अकार्यरत महिलाओं के बालक–बालिकाओं की शैक्षिक उपलब्धि के मध्य कोई सार्थक अन्तर नहीं पाया गया। किन्तु शैक्षिक समायोजन महिलाओं के बालक–बालिकाओं के सामाजिक एवं संवेगात्मक समायोजन के मध्य सार्थक अन्तर पाया गया।

सिंह (2018) ने माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि पर समायोजन के प्रभाव का अध्ययन किया। परिणाम के निष्कर्ष से प्राप्त हुआ कि जिन विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि उच्च होती है, उनमें

समायोजन की क्षमता भी उच्च होती है तथा जिन विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि निम्न होता है उनमें समायोजन क्षमता भी निम्न होती है।

उद्देश्य

- उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में अध्ययनरत छात्रों के समायोजन एवं शैक्षिक उपलब्धि के मध्य सहसंबंध का अध्ययन करना।
- उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में अध्ययनरत छात्राओं के समायोजन एवं शैक्षिक उपलब्धि के मध्य सह–सम्बन्ध का अध्ययन करना।

परिकल्पनाएँ

H_{0-1} उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में अध्ययनरत छात्रों के समायोजन एवं शैक्षिक उपलब्धि के मध्य सार्थक सह–सम्बन्ध नहीं पाया जाएगा।

H_{0-2} उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में अध्ययनरत छात्राओं के समायोजन एवं शैक्षिक उपलब्धि के मध्य सार्थक सह–सम्बन्ध नहीं पाया जाएगा।

अध्ययन की परिसीमाएँ

- अध्ययन छत्तीसगढ़ राज्य के रायपुर जिले के अंतर्गत संचालित उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों तक सीमित है।
- अध्ययन में न्यादर्श हेतु रायपुर जिले के अंतर्गत संचालित उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों के 120 विद्यार्थियों (60 छात्र एवं 60 छात्राओं) तक सीमित है।
- प्रस्तुत अनुसंधान केवल कक्षा 11वीं के विद्यार्थियों के समायोजन एवं शैक्षिक उपलब्धि के अध्ययन तक ही सीमित है।

अध्ययन विधि

प्रस्तुत शोध सर्वेक्षण विधि पर आधारित है।

जनसंख्या

प्रस्तुत अध्ययन छत्तीसगढ़ राज्य के रायपुर जिले के अंतर्गत संचालित उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों में अध्ययनरत विद्यार्थियों को जनसंख्या के रूप में लिया गया है।

न्यादर्श

न्यादर्श का चयन उद्देश्यपूर्ण प्रतिचयन विधि द्वारा किया गया है। अध्ययन हेतु 120 (60 छात्र एवं 60 छात्राएं) विद्यार्थियों कों न्यादर्श के रूप में लिया गया है।

उपकरण

आँकड़ों के संकलन के लिए उपकरण के रूप में विद्यार्थियों के समायोजन के मापन हेतु सिन्हा एवं सिंग द्वारा निर्मित समायोजन परीक्षण का उपयोग किया गया है। विद्यार्थियों के शैक्षिक उपलब्धि के मापन हेतु कक्षा 10वीं के वार्षिक परिक्षा परिणामों के प्रतिशत अंक को लिया गया है।

सांख्यिकीय विश्लेषण

परीक्षण के लिए प्राप्त प्राप्तांकों के विश्लेषण हेतु सांख्यिकीय तकनीक सह–सम्बन्ध का प्रयोग किया गया है।

प्रदत्तों का विश्लेषण एवं निष्कर्ष

H_{0-1} उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में अध्ययनरत छात्रों के समायोजन एवं शैक्षिक उपलब्धि के मध्य सार्थक सह–सम्बन्ध नहीं पाया जाएगा।

तालिका क्रमांक 1

उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में अध्ययनरत छात्रों के समायोजन एवं शैक्षिक उपलब्धि के मध्य सह–सम्बन्ध की गणना हेतु तालिका

क्रमांक	चरो का विवरण	प्रदत्तों की संख्या	सह–सम्बन्ध मान (r)	सार्थकता स्तर
1	समायोजन	60	0.192	0.05 स्तर पर सार्थक
2	शैक्षिक उपलब्धि	60		

(df = 118)

तालिका में स्पष्ट है कि उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में अध्ययनरत छात्रों के समायोजन एवं शैक्षिक उपलब्धि के मध्य सह–संबंध मान 0.192 है, जो 0.05 स्तर पर सार्थक है। अतः छात्रों के समायोजन एवं शैक्षिक उपलब्धि के मध्य धनात्मक सह–सम्बन्ध पाया गया है। इस प्रकार परिकल्पना ''उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में अध्ययनरत छात्रों के समायोजन एवं शैक्षिक उपलब्धि के मध्य सार्थक सह–सम्बन्ध नहीं पाया जाएगा" **अस्वीकृत** की जाती है।

H_{0-2} उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में अध्ययनरत छात्राओं के समायोजन एवं शैक्षिक उपलब्धि के मध्य सार्थक सह–सम्बन्ध नहीं पाया जाएगा।

तालिका क्रमांक 2

उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में अध्ययनरत छात्राओं के समायोजन एवं शैक्षिक उपलब्धि के मध्य सहसंबंध की गणना हेतु तालिका

क्रमांक	चरों का विवरण	प्रदत्तों की संख्या	सह–सम्बन्ध मान (r)	सार्थकता स्तर
1	समायोजन	60	0.246	0.05 स्तर पर सार्थक
2	शैक्षिक उपलब्धि	60		

(df = 118)

तालिका में स्पष्ट है कि उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में अध्ययनरत छात्राओं के समायोजन व शैक्षिक उपलब्धि के मध्य सह–संबंध मान 0.246 है, जो 0.05 स्तर पर सार्थक है। अतः छात्राओं के समायोजन व शैक्षिक उपलब्धि के मध्य धनात्मक सह–सम्बन्ध पाया गया है। इस प्रकार परिकल्पना ''उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में अध्ययनरत छात्राओं के समायोजन एवं शैक्षिक उपलब्धि के मध्य सार्थक सह–सम्बन्ध नहीं पाया जाएगा'' **अस्वीकृत** की जाती है।

निष्कर्ष

उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में अध्ययनरत् छात्र तथा छात्राओं में समायोजन एवं शैक्षिक उपलब्धि के मध्य धनात्मक सहसंबंध पाया गया है। परिणाम स्वरूप यह कहा जा सकता है कि जिन विद्यार्थियों का समयोजन बेहतर होता है वे विद्यार्थी शैक्षिक उपलब्धि के रूप में भी अधिक सफल होते हैं।

संदर्भित ग्रंथ सूची

कर्नाटक, के. एवं पाण्डे, डी. (2022). किशोरों के समायोजन का तुलनात्मक अध्ययन. *इंटरनेशलन जर्नल ऑफ रिसर्च ट्रेण्ड एण्ड इनोवेशन,* 7(12), 640–648.

सिंह, बी. (2018). माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि पर समायोजन के प्रभाव का अध्ययन. *इंटरनेशलन एजुकेशन जर्नल चेतना,* 3, 195–200.

पटेल, एच. एवं सिंग, वी. (2018). विद्यार्थियों के शैक्षिक उपलब्धि व समायोजन के मध्य संबंध का अध्ययनय माताओं के कार्य स्तर के संबंध में. *जर्नल ऑफ इंडियन एजुकेशन,* 43(1), 39-49.